

E-Gyan

अंक - एकसौ छिहत्तरवाँ Volume - 176

31 January 2024, Wednesday

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organisations - India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर 107 विक्रम संवत्सर 2080, माघ कृष्ण पक्ष 5, बुधवार, 31 जनवरी 2024

• E-mail - cpr@mssmail.org • Web site - www.e-gyan.net

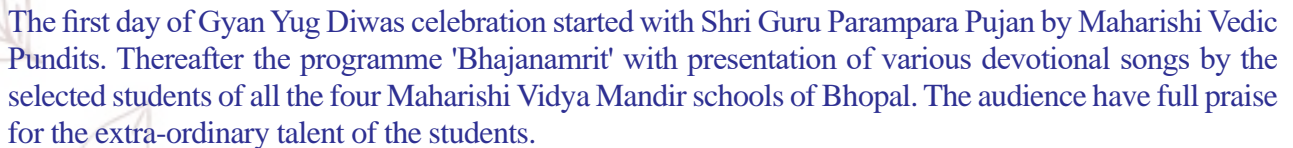
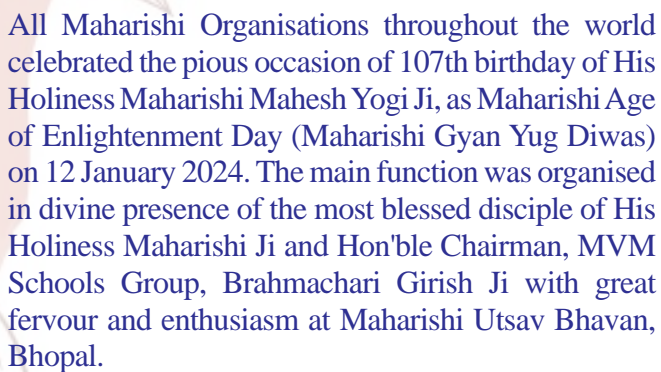


ACADEMIC ACHIEVEMENTS | ORGANISATIONAL EVENTS | CELEBRATIONS | PHOTO FEATURES | CONTACT US



107th Birth Day of
His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji
Celebrated as
Gyan Yug Diwas - 2024





This was followed by presentation of second part of 'Bhajanamrit' by renowned playback singer Sushri Nalini Nigam, disciple of famous classical singer Savita Devi and Savitri Savnere. With her, globally acclaimed tabla maestro and composer Pundit Anoop Ghosh, renowned percussionist Shri Satish Kumar Solanki, keyboard artist Shri Puneet Kumar and famous flute player Shri Atul Shankar enthralled the audience. Nalini Ji first presented Guru Vandana to honour Maharishi Ji and then famous Ram Bhajan 'Shree Ram Chandra Kripalu Bhajman', 'Ram Sumire' and 'Koan Kehta Hain Bhagwan Aate Nahi'.



On second day of celebration of Maharishi Gyan Yug Diwas, the birth anniversary of revered scientist of consciousness, Maharishi Mahesh Yogi Ji started with Shri Guru Parmprara Pujan by Brahmachari Girish Ji at Brahmanand Saraswati Ashram, Bhopal.



On this occasion, while presiding over the seminar on “Establishing World Peace through Spirituality”, Brahmachari Girish Ji said, “It is a very auspicious day. This year, we all focusing on spiritual awakening for development of inner consciousness along with peace, prosperity and good health for every human being to establish permanent world peace. We all have to do this work with the power of self - 'Being'. According to 'Maharishi Effect', when square-root of 1% population of a place practice Transcendental Meditation, TM-Siddhi programme

including Yogic Flying simultaneously at one place, the positivity in the collective consciousness of that place increases and the influence of negative forces is eliminated. At present Maharishi Sansthan has 10,000 trained Vedic Pandits and a site is being constructed at Brahmasthan of India so that all can practice Transcendental Meditation, TM-Siddhi programme including Yogic Flying simultaneously at one place. We all then will awaken our consciousness by taking a dip in the ocean of consciousness in the morning and evening. Such spiritual life will be a matter of pride and glory.”

Brahmachari Girish Ji further said, “Cultivating the power of the soul, moving in it, listening to it, living in it, this is spirituality. Do everything at the level of the soul. There is no sorrow in the field of Transcendental Consciousness, there is no fear or danger. Invincibility is only at the level of consciousness in which no negative force can enter and cause harm. By hiding everything in the self-consciousness, the body remains safe. This is valuable knowledge for us and this is the basis of spirituality. There is knowledge. All action power is contained in consciousness as it is the source of all actions. Therefore pour water in the root– in the consciousness and accomplish everything.”

After this, Brahmachari Girish Ji dedicated the achievements of all the Maharishi Organisations of the year in the lotus feet of Shri Guru Dev and His Holiness Maharishi Ji and sought their blessings for new resolutions ahead. Hon'ble Chairman also dedicated Maharishi Sansthan's Gyan Patrika, Mahamedia Patrika, Maharishi Panchang, Quarterly News Letter of MWPM, monthly E-Gyan and New Year's table calendar in the feet of H. H. Maharishi Mahesh Yogi Ji.

Chief guest of the programme, Hon'ble Minister of State with independent charge, Govt. of Madhya Pradesh, Smt. Krishna Gaur Ji said, "If we all follow the teachings of great saint and son of India, Maharishi Mahesh Yogi Ji, whose birth anniversary we are celebrating today and each and also every sentence of Brahmachari Girish Ji in our life, the whole life will become meaningful and the benefits for this will spread across the globe. There is not much difference between a spiritual person and a political person, both of them strive to make everyone happy by working for the welfare of 'Nar-Narayan'." On this occasion, she also gave best wishes to Brahmachari Girish and the Organisation.



Speaking on this occasion, Professor Umapati Dixit, Head of the Department of Central Hindi Institute, said, "Before world peace, we have to seek the peace of our mind. Today the fight for supremacy is going on in the whole world. We need to be united in our thoughts, words and actions. We have to pay attention to small things. The solution for all material suffering lies in spirituality. The path to world peace can be paved through spirituality."

Present in the program, Director of Central Sanskrit University, Bhopal, Professor Ramakant Pandey, while presenting his views, said that "It is a matter of experience that spiritual knowledge can be obtained from the teachings of Guru. It cannot be acquired by bookish knowledge only. Therefore, the words and philosophy of global saints like Maharishi Mahesh Yogi Ji and his programmes can bring world peace."



On this occasion Hon'ble Vice Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Professor Bhuvnesh Sharma said, "spirituality is one kind of feeling of the mind to do the good for the whole world. Such type of feeling comes from the pure and refined level of consciousness. For achieving this, Maharishi Ji has given us simple technique of TM."

Professor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Acharya Nilimp Tripathi expressed, "there many examples of persons making highest sacrifices for the welfare of the people around them. This is spirituality and such persons become immortal in the history of mankind. We specially the children should try to emulate such examples."

On this occasion, all the Directors of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Principals, teachers, parents and students were present. This two-day programme was jointly organized by Maharishi Vidya Mandir School Group, Maharishi World Peace Movement and Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeetham.



ब्रह्मचारी गिरीश, अध्यक्ष
महर्षि विश्व शांति आंदोलन



परमपूज्य महर्षि

महेश योगी जी द्वारा

प्रतिपादित "भावातीत ध्यान"
का नियमित प्रातः एवं संध्या
के समय 15 से 20 मिनट
का अभ्यास आपके चरित्र में
साहस की स्थापना करेगा
क्योंकि दण्ड देना सरल है
किंतु क्षमा कर देना साहस
ही है। किसी की उदण्डता
व अपशब्दों को न तो स्वीकार
करें और न ही विचलित हों
और क्रोधित होकर दण्डित
करने का प्रयास भी न करें
क्योंकि यही हमारी सनातन
परंपरा का आधार है। जब
हम हमारी चेतना के स्तर
से कार्य करते हैं तो उक्त
कृत्यों की ओर हमारा ध्यान
आकर्षित ही नहीं होता। तब
हम नकारात्मकता का स्पर्श
ही नहीं कर पाते, हम हमारी
चेतना में स्थित 'भगवत कृपा'
के सान्निध्य में आनंदित हो रहे
होते हैं क्योंकि जीवन आनंद
है।



भावातीत ध्यान और साहस

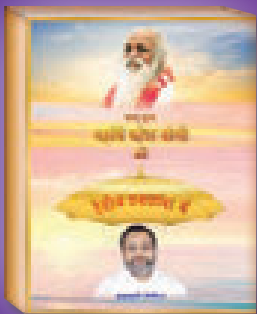


बुद्ध भगवान एक गाँव में उपदेश
दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 'हर
किसी को धरती माता के समान
सहनशील तथा क्षमाशील होना
चाहिए। क्रोध ऐसी आग है जिसमें क्रोध करने वाला दूसरों
को जलाएगा तथा स्वयं भी जल जाएगा।' सभा में सभी
शान्ति से बुद्ध की वाणी सुन रहे थे, किंतु वहाँ स्वभाव
से ही अतिक्रोधी एक ऐसा व्यक्ति भी बैठा हुआ था जिसे
ये सारी बातें बेतुकी लग रही थीं। वह कुछ देर ये सब
सुनता रहा फिर अचानक ही आग— बबूला होकर बोलने
लगा, 'तुम पाखंडी हो, बड़ी-बड़ी बातें करना यही तुम्हारा
कार्य है। तुम लोगों को भ्रमित कर रहे हो। तुम्हारी ये
बातें आज के समय में कोई अर्थ नहीं रखती।' ऐसे अनेक
कटु वचनों को सुनकर भी बुद्ध शांत रहे। उसकी बातों
से न तो वह दुःखी हुए, न ही कोई प्रतिक्रिया की। यह
देखकर वह व्यक्ति और भी क्रोधित हो गया और बुद्ध के
मुँह पर थूक कर वहाँ से चला गया। अगले दिन जब
उस व्यक्ति का क्रोध शांत हुआ तो वह अपने बुरे व्यवहार
के कारण पछतावे की आग में जलने लगा और वह उन्हें
ढूँढ़ते हुए उसी स्थान पर पहुँचा, पर बुद्ध कहाँ मिलते,
वह तो अपने शिष्यों के साथ पास वाले एक अन्य गाँव
निकल चुके थे। व्यक्ति ने बुद्ध के बारे में लोगों से पूछा
और ढूँढ़ते-ढूँढ़ते जहाँ बुद्ध प्रवचन दे रहे थे वहाँ पहुँच
गया। उन्हें देखते ही वह उनके चरणों में गिर पड़ा और
बोला, 'मुझे क्षमा कीजिए प्रभु!' बुद्ध ने पूछा: 'कौन हो
भाई? तुम्हें क्या हुआ है? क्यों क्षमा माँग रहे हो?' उसने
कहा: 'क्या आप भूल गए। मैं वही हूँ जिसने कल आपके

साथ बहुत बुरा व्यवहार किया था। मैं शर्मिन्दा हूँ। मैं मेरे दुष्ट आचरण की क्षमायाचना करने आया हूँ।' भगवान बुद्ध ने प्रेमपूर्वक कहा: 'बीता हुआ कल तो मैं वहीं छोड़कर आया और तुम अभी भी वहीं अटके हुए हो। तुम्हें अपनी गलती का आभास हो गया, तुमने पश्चाताप कर लिया। तुम निर्मल हो चुके हो, अब तुम आज में प्रवेश करो। बुरी बातें तथा बुरी घटनाएँ याद करते रहने से वर्तमान और भविष्य दोनों बिगड़ते जाते हैं। बीते हुए कल के कारण आज को मत बिगाड़ो।' उस व्यक्ति का सारा बोझ उतर गया। उसने भगवान बुद्ध के चरणों में पड़कर क्रोध के त्याग का तथा क्षमाशीलता का संकल्प लिया। बुद्ध ने उसके मस्तिष्क पर आशीष का हाथ रखा। उस दिन से उसमें परिवर्तन आ गया और उसके जीवन में सत्य, प्रेम व करुणा की धारा बहने लगी। बहुत बार हम भूल में की गयी किसी गलती के बारे में सोचकर बार-बार दुःखी होते और स्वयं को कोसते हैं। हमें ऐसा कभी नहीं करना चाहिए, गलती का बोध हो जाने पर हमें उसे कभी न दोहराने का संकल्प लेना चाहिए और एक नयी ऊर्जा के साथ वर्तमान को सुदृढ़ बनाना चाहिए। उपरोक्त कथा के सार को अपने जीवन में उतारना ही परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी के ब्रह्म वाक्य "जीवन आनंद है" का आधार है। सम्भवतः हम इसे असम्भव मान कर अपने जीवन में धारण करने का प्रयास ही नहीं करते या कहें, साहस ही नहीं कर पाते, किंतु परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रतिपादित "भावातीत ध्यान" का नियमित प्रातः एवं संध्या के समय 15 से 20 मिनट का अभ्यास आपके चरित्र में साहस की स्थापना करेगा क्योंकि दण्ड देना सरल है परंतु क्षमा कर देना साहस ही है। किसी की उदण्डता व अपशब्दों को न तो स्वीकार करें और न ही विचलित हों और क्रोधित होकर दण्डित करने का प्रयास भी न करें, क्योंकि यही हमारी सनातन परंपरा का आधार है। जब हम हमारी चेतना के स्तर से कार्य करते हैं तो उक्त कृत्यों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित ही नहीं होता, तब हम नकारात्मकता का स्पर्श ही नहीं कर पाते, हम हमारी चेतना में स्थित 'भगवत कृपा' के सान्निध्य में आनंदित हो रहे होते हैं, क्योंकि जीवन आनंद है।

जय गुरु देव, जय महर्षि जी



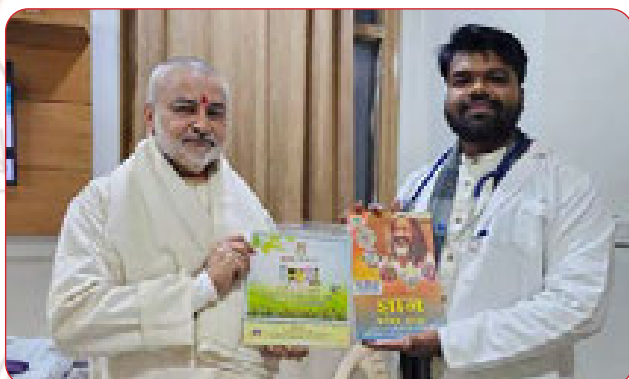


Presentation of Book

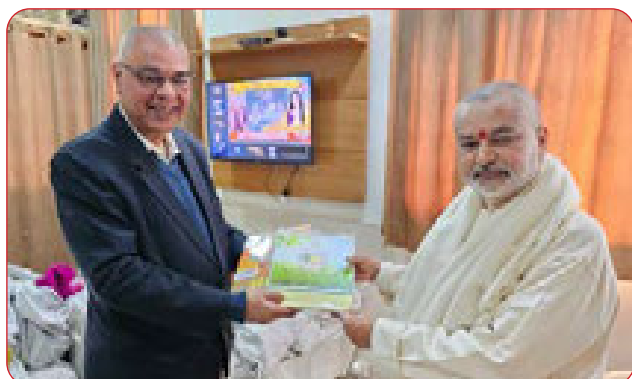
""Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" to various dignitaries" to various dignitaries



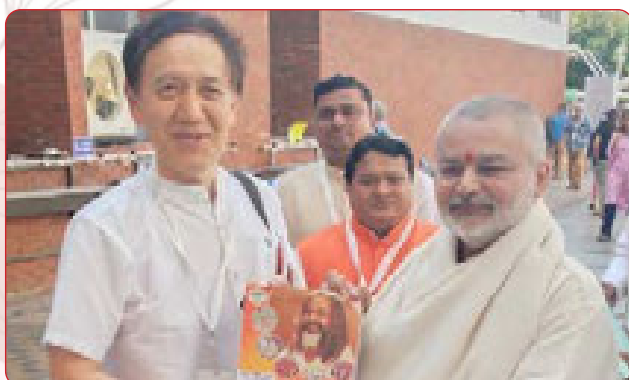
Brahmachari Girish Ji, Shri Ved Prakash Sharma, Shri Yateesh Saxena, Shri Ramdev and other members of MVM Schools Group have met Dr. Tony Nader (Maharajadhiraj Rajaram Ji) during assembly of 10000 Siddhas at Hyderabad and Brahmachari Ji presented him book "Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Chhatra Chhaya mein Brahmachari Girish", annual magazine of Maharishi Organisations in India "Gyan 2024", Maha Media monthly magazine, Table and sheet calendar of year 2024. Dr. Nadar has expressed his joy meeting the group and receiving the publications.



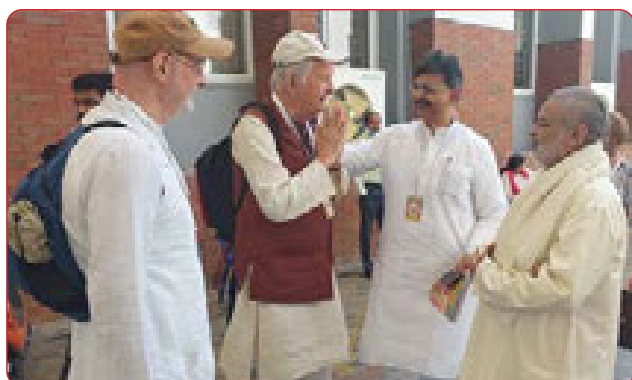
Brahmachari Girish Ji has presented annual magazine of Maharishi Group of Educational Institutions "Gyan 2024" and table calendar to Dr. Prasanna Jit ji at Noida.



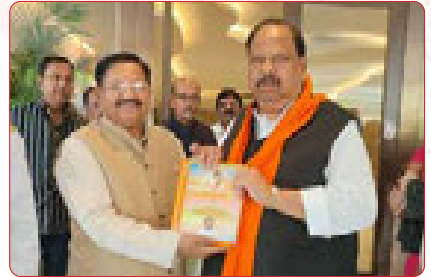
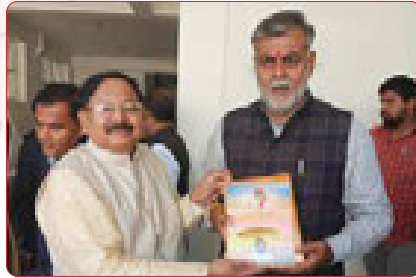
Brahmachari Girish Ji has presented annual magazine of Maharishi Group of Educational Institutions "Gyan 2024" and table calendar to Dr. Manoj Sharma ji, highly reputed Orthopedic Surgeon of Delhi and NCR.



Brahmachari Girish ji met with Dr. Suzuki Sun, Raja of Japan, Maharishi Global Country of World Peace and presented annual magazine of Maharishi Organization Gyan 2024.



Brahmachari Girish ji met with Dr. Oliver Verner, A medical doctor and great expert on Ayurveda and presented him book "Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Chhatra Chhaya mein Brahmachari Girish", during visit to 10000 Siddha's Assembly for World Peace at Hyderabad.



Shri Arvind Singh Rajput, The Registrar of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya greeted Shri Inder Singh Parmar, Hon'ble Minister, Government of Madhya Pradesh, Higher Education, Technical Education and Ayush, Shri Prahlad Patel Ji, Honourable Minister, Government of Madhya Pradesh, Panchayat and Rural Development and Shri Chaitanya Kashyap Ji, Honourable Minister, Government of Madhya Pradesh, Department of Micro, Small and Medium Enterprises and presented them the book "Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



Brahmachari Girish Ji gifted Maharishi Panchang for year 2024 to Vedic Acharyas and expressed joy of meeting them.



Smt. Sneha Chaturvedi, Principal of Maharishi Vidya Mandir Vijay Nagar Jabalpur presented the book "Param Pujya Maharishi Mahesh Yogi ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" to Shri Prabhat Sahu Ji, BJP Nagar Panchayat President and ex-Mayor of Jabalpur

A delegation of senior members of Global Mother Divine from USA visited Bhopal with Smt. Vasanthy Parasuramana ji, Principal of MVM Hyderabad. The delegation was welcomed at Bhopal Airport by Brahmachari Girish Ji and Shri Ramdev Ji and Sushri Arma Saxena Ji. The group visited different Maharishi Schools and other institutions and highly appreciated the set up & enjoyed their visit very much.



Brahmachari Girish Ji got darshan and blessings of Shri Kanchi Kamkoti Jagatguru Shankaracharya Swami Vijayendra Saraswati Ji Maharaj at Hyderabad. Maharaj Shri has given his kind blessings and emphasised the need of Vedic Education on much larger scale in India and worldwide in the interest of the citizens of the world.



महर्षि संस्थान में अखण्ड रामायण पाठ

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के उपलक्ष्य में भोपाल के ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम स्थित राम मंदिर में पूजन एवं अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन 21 जनवरी से प्रारम्भ होकर 22 जनवरी को महाआरती के साथ पूर्ण हुआ।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के प्रमुख ब्रह्मचारी गिरीश जी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों और आस पास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भी रामायण पाठ का लाभ लिया। 21 जनवरी को प्रातः दस बजे आश्रम स्थित राम मंदिर में वैदिक पंडितों के द्वारा पूजा अर्चना के उपरांत महर्षि उत्सव भवन में संगीतमय रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। यह पाठ 22 जनवरी के प्रातः 10 बजे पूर्ण हुआ। पाठ के पश्चात् महाआरती एवं भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के ग्रामों के कई श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया।



इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा "भगवान श्री रामलला के आयोध्या पुनरागमन पर सम्पूर्ण विश्व के वैदिकों और सनातनियों के मन में अत्यंत प्रसन्नता है और उत्साह है। इस पुण्य अवसर पर भारत वर्ष के समस्त महर्षि संस्थानों में विभिन्न आयोजन किये गए हैं। मंदिर की स्थापना, विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और अयोध्या नगरी के विकास के साथ साथ राममय चेतना के विकास की परम् आवश्यकता है जो अष्टांग योग और महर्षि महेश योगी प्रणीत भावातीत ध्यान के नियमित अभ्यास से सम्भव है। शांति पूर्वक प्रभु राम जी की सेवा और भक्ति में लीन रहना चाहिए।"

Maha Herbals and Maharishi Vedic Health Centre has participated in five days "Van Mela" organised by Forest Department of Govt. of Madhya Pradesh. Large number of visitors visited the stall and purchased Herbal and other products. Lot of enquiries were also generated on Transcendental Meditation and other programmes of Maharishi Organisation.



Maharishi Smarak on the day of Shri Ramlala pranpratishtha



Maharishi Vidya Mandir Schools Group Principals, Teachers and Staff members are participated in "10000 for World Peace" assembly at Hyderabad.





Maharishi Vidya Mandir Schools Group Report

Celebration of Gyan Yug Diwas

With the divine blessings of Shri Guru Dev, the 107th birth day of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji was celebrated as Gyan Yug Diwas on 12th January 2024 with great enthusiasm and pleasure in all Maharishi Vidya Mandir Schools throughout the country.

The Principals of all the MVM Schools read out the following message of Hon'ble Chairman Maharishi Vidya Mandir Schools Group during the main programme-

"Dear students, teachers, Principals, staff members and all distinguished ladies and gentlemen, hearty congratulations to all of you on the auspicious occasion of Gyanyug Diwas being organized on the 107th birth anniversary of the most revered Maharishi Mahesh Yogi Ji.

It is a matter of great pride for all of us Indians that today we are celebrating the 107th birth anniversary of a great son of India and greatest scientist of consciousness, the most revered Maharishi Mahesh Yogi Ji. This will provide a great opportunity for all of us to rededicate ourselves to the ideals of the most revered Maharishi Ji and the science of Vedas. Maharishi Ji has provided the world with a simple, natural and effortless technique of "Transcendental Meditation" to refine consciousness of every human being and to give it stability. Maharishi Ji always wanted you to become spiritual by thinking from the level of 'Self' so that your inner potential will develop and pave the way for the establishment of world peace. With the blessings of Maharishi Ji, you all have many achievements to your credit in the last year and it is hoped that you will reach greater heights in the coming year also. We have full confidence that the thoughts of Maharishi Ji will infuse immense enthusiasm and energy among all the students and citizens of India.

Today, let us resolve that with the knowledge of Maharishi Ji and the ideas given by him, we will eliminate all the distortions currently prevalent in the society and will continue to strive to provide a happy, healthy, prosperous and peaceful life to all the citizens of the world. We sincerely wish that with this knowledge, all of us together will be able to realize Maharishi Ji's idea that Life is bliss will translate and his vision of having Heaven on Earth will turn in to reality".

Jai Guru Dev, Jai Maharishi Ji

Gyan Yug Diwas celebrations at MVM Schools are depicted through following pictures -

MVM Aligarh (Main)



MVM Aligarh - II



MVM Basti



MVM Chhatarpur - III



MVM Guwahati - I



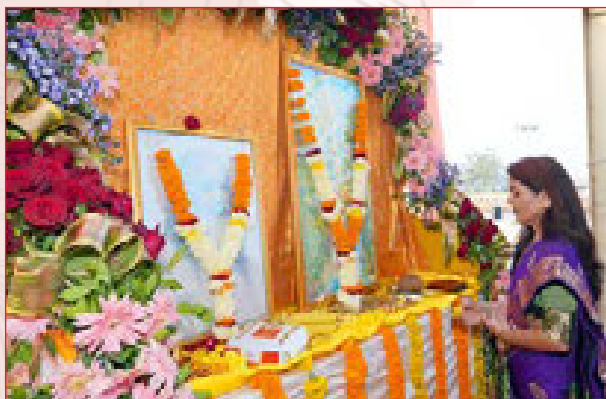
MVM Bhubneshwar



MVM Guwahati - III



MVM Bhandara



MVM Berasia



MVM Guwahati - VI



MVM Hissar



MVM Indore - I



MVM Jabalpur - II



MVM Jabalpur - IV



MVM Amarpatan



MVM Jabalpur - V



MVM Uttarkashi



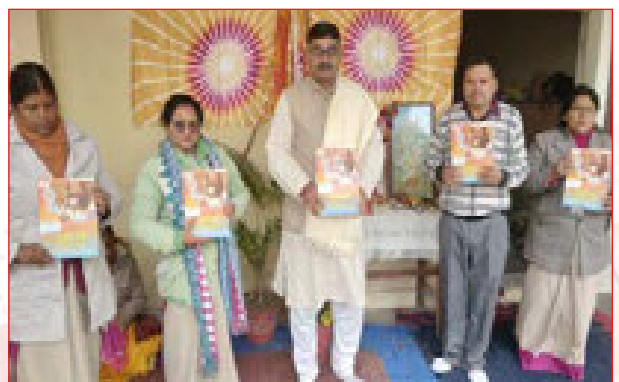
MVM Jabalpur - VI



MVM Kathgodam



MVM Khatima



MVM Pratappur



MVM Rayagada



MVM Chhatarpur - II



MVM Thanjavur



MVM Panna



MVM Yavatmal



MVM Nainital



MVM Tiruvannamalai



MVM Nadaun (Main)



MVM Mankapur



MVM Pithoragarh - I



MVM Naini - II Prayagraj



MVM Shajapur



Maharishi University of Management and Technology, Bilaspur





Great occasion for Santanis.....

Shri Ram Pran Pratishtha Samaroh Celebrated in various Units of Maharishi Organisation



MVM Aligarh - II



MVM Basti



MVM Chhatarpur - III



MSE Chennai



MVM Nadaun (Main)



MVM Nainital



MVM Pithoragarh -I



MVM Naini - II Prayagraj



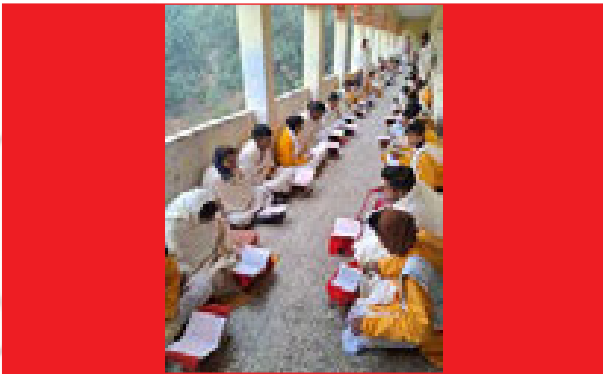
MVM Rayagada



MVM Shahdol



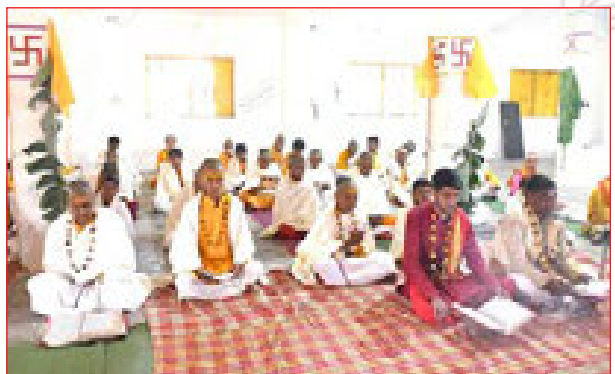
Vinddhyachal



MVVVP Narsingpur



Bandakpur Damoh



MVM Yavatmal



MVM Mankapur



MDJPP Omkareshwar



MDJPP Varanasi



Other events and celebrations

MVM Jabalpur - III

Annual Day Celebration



MVM Jabalpur - V

महर्षि विद्या मंदिर, विजय नगर, जबलपुर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

महर्षि विद्या मंदिर, विजय नगर, जबलपुर में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 30 दिसम्बर 2023 को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अभिलाष पांडे जी, विधायक, उत्तर मध्य विधान सभा, जबलपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. रामकिंकर मिश्रा जी, उप-रजिस्ट्रार नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं श्री आदित्य प्रताप सिंह जी, पुलिस अधीक्षक एवं शाला प्राचार्या स्नेह चतुर्वेदी जी द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुपूजन और दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।

इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ सुसज्जित मशाल एवं परेड से हुआ। इसमें बच्चों ने देश-भक्ति पर आधारित रिंग फारमेशन, ड्रिल, डांस व बेंड शो की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। शाला के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। विजेता छात्र-छात्राओं को विभिन्न आकर्षक पुरस्कार व प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी जीवन में महत्वपूर्ण बताया। साथ ही शाला के सांस्कृतिक व पारंपरिक शिक्षा की सराहना की। प्राचार्या श्रीमति स्नेह चतुर्वेदी ने विद्यालय की विशेष उपलब्धियों एवं उनके बारे में जानकारी दी।



MVM Nainital

Drawing competition was organised by Sewa Sankalp at Maharishi Vidya Mandir Takula Nainital on the topic "My Culture My Pride". Advocate Smt. Sukhpreet Kaur, Secretary Sewa Sankalp, Lucknow, associate member Shri Vipin Singh & Principal MVM Nainital, Shri Nirmal Pandey gave away the awards to the winning students.



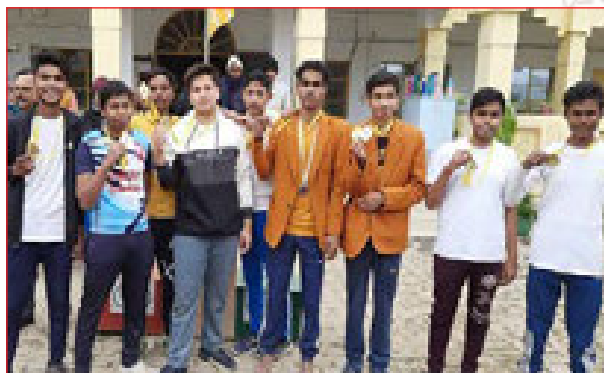
Students of Maharishi Vidya Mandir, Nainital presented cultural programme on the special occasion of Uttarayani Kautik Mahotsav organised by Mansurya Devi Cultural Committee, Gaulapur Chorgaliya on 13 January 2023. Pahadi and Garhwali mix dance and Garhwali Jagar were presented by the students. The students of MVM School presented mesmerizing Kumaoni and Garhwali Jagar songs.



MVM Raipur - I

दिनांक 8 जनवरी 2024 को महर्षि विद्या मंदिर-1, रायपुर में अयोध्या अक्षत कलश यात्रा निकाली गई। विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती संगीता गुप्ता द्वारा सिद्धेश्वर महादेव मंदिर अमलीडीह से अक्षत कलश लेकर राम मंदिर टाटीबंध में रखा गया। राम मंदिर टाटीबंध के पुजारी द्वारा पूजन उपरांत अक्षत कलश विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती स्मिता नायर को सौंपा गया। तदुपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षिकाओं द्वारा शोभा यात्रा प्रारंभ की गई। जय श्री राम के नारे के साथ भगवान राम की स्तुति करते हुए शोभा यात्रा विद्यालय प्रांगण में पूर्ण हुई। विद्यालय के ध्यान शिक्षक श्री मनोज श्रीवास्तव द्वारा परंपरा अनुसार गुरु पूजन कर श्री राम जी की आरती की गई। तत्पश्चात विद्यालय के सभी कर्मचारियों को निमंत्रण पत्र और अक्षत वितरित किए गए। अंत में सभी विद्यार्थियों को प्रसाद वितरण किया गया।



MVM Basti**Annual Sports Meet****MVM Guwahati - VI****Annual Sports Day****MVM Bhopal - II****भावातीत ध्यान शिविर का आयोजन**

महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, अयोध्या नगर, भोपाल द्वारा "महर्षि विश्व शांति आंदोलन" के अंतर्गत दिनांक 05 जनवरी 2024 को सागर इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल में भावातीत ध्यान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर स्कूल अयोध्या नगर की प्राचार्या श्रीमती आशु सक्सेना एवं ध्यान शिक्षिका श्रीमती वंदना पालीवाल द्वारा भावातीत ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा भावातीत ध्यान से होने वाले लाभों को विस्तार पूर्वक बतलाया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सागर इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ दिनेश कुमार राजोरिया एवं उप प्राचार्या डॉ स्वाती सक्सेना द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।



MVM Silchar

Annual sports of MVM Silchar was inaugurated by chief guest Grp. Captain S. K. Sen of Indian Air Force.



MVM Jabalpur - I

MVM Jabalpur - I celebrated its Annual Sports Day on 30th December 2023 with great enthusiasm which was witnessed and appreciated by all. Army gallantry award winner Col. Arvind and Director Sports Authority, Jabalpur Shri Kuldeep Singh Brar were the guests of honour.



MVM Shahdol

Hon'ble Collector and respected ADGP Shahdol have honoured Maharishi Vidya Mandir School Shahdol on the occasion of Republic Day celebration in the stadium. This award was given for efficient work on the occasion of Shri Ramlala Ji's Pran Pratishtha. Students had performed Bhajans and other activities on 22nd January 2024.



MVM Guawahati - I

On the Republic Day, 26th January 2024, one more glorious moment for MVM Schools Group, specially for MVM Silpukhuri Guwahati, as Wing Commander Manab Adhikari, one of ex-student performed fly past the MIS 8 helicopter demonstrating extraordinary defense power of Indian Air Force at Republic Day celebration, Delhi. Whole Maharishi family Congratulates Wing Commander Manab and express best wishes for him.

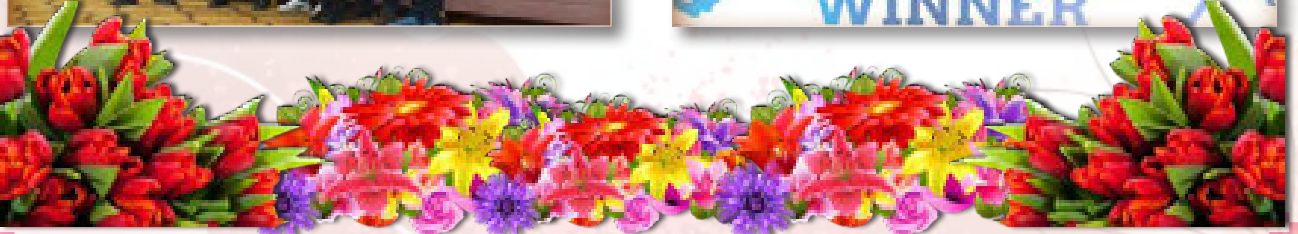


Master Saiyam Mazumder, known snake saviour, receiving the award from the Hon'ble President of India Smt. Droupadi Murmu.



Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal

Master Aarav Soni, winner of district tournament He has been selected for the national tournament.



WELLNESS NEWS

Benefits of Organic Farming for Small Farmers

The various benefits of organic farming for small farmers all over the world include a high premium, low capital investment, the ability to achieve higher premiums in the market, and the ability to use traditional knowledge. Small farmers in India can benefit dramatically from organic farming and will help in alleviating poverty.

Organic farming refers to means of farming that does not involve the use of chemical fertilizers and chemical pesticides.



High Premium: Organic food is normally priced 20-30% higher than conventional food.



Low Investment: Since organic fertilizers and pesticides can be produced locally, the yearly costs incurred by the farmer are also low. In cases of natural calamity, pest or disease attack, or irregular rainfall, when there is a crop failure, small farmers practicing organic farming have to suffer less as their investments are low.

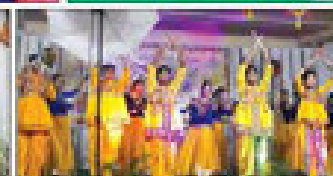
Less Dependence on Money Lenders: Since chemical inputs, which are very costly, are not required in organic farming, small farmers are not as dependent on money lenders.

Synergy with Life Forms: Organic farming involves synergy with various plant and animal life forms. Small farmers are able to understand this synergy easily and therefore find it easy to implement the organic farming techniques.

Traditional Knowledge: Small farmers have an abundance of traditional knowledge with them and within their community. Farmers can make use of this traditional knowledge. Furthermore, in cases of organic farming, small farmers are not dependent on those who provide chemical know-how.

where ρ is the density of the material, σ is the stress, and ϵ is the strain. The stress-strain relationship for a material is given by:

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत- संगीत पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी



Page 35

धूमधाम से मना महर्षि महेश योगी का 107 वां जन्मदिन

➤ महर्षि विद्या मंदिर ताकुला में किया गया आयोजन
➤ नर्तन-मुद्रा विद्यार्थियों ने किए भजन, कविता व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत

आज समाचार सेवा
नैनीताल। महर्षि विद्या मंदिर ताकुला (नैनीताल) में शुक्रवार को महर्षि महेश योगी का 107 वां जन्म दिन महर्षि ज्ञान योग दिवस के रूप में मनाया गया। इससे पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल पाण्डे व शिक्षकगणों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम सभी लोगों के द्वारा गुरु पूजन तथा भावांजली ध्यान किया गया। इस खास मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य निर्मल पाण्डे द्वारा बताया गया कि महर्षि विद्या मंदिर (एमवीएम) स्कूल महर्षि नगर महर्षि वैदिक शिक्षा आंदोलन का एक



विस्क है। भाल में महर्षि विद्या मंदिर स्कूल मुखला 16 राज्यों में 169 छात्राओं के साथ सबसे बड़े स्कूल प्रणालियों में से एक है। प्रणाली में 6,500 कर्मचारी और 110,000 से अधिक छात्र हैं। कार्यक्रम व अनुशासन के अतिरिक्त चेचना पर आधारित शिक्षा महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों की विशेषता है। समस्त विद्यार्थी व कार्यकर्ता प्रतिदिन 2 बार

10-20 मिनट के लिये भावांजली ध्यान का अभ्यास करते हैं। बताया कि महर्षि वेद विज्ञान के समस्त 40 क्षेत्रों पर ज्ञान-विशेष रूप से नित्य उपयोगी योग, प्राणायाम का ज्ञान उन्हें क्रमबद्ध ऋतुयुक्तम द्वारा प्रदान किया जाता है। प्रत्येक विषय के प्रत्येक पाठ को विद्यार्थी अपने स्वयं के जीवन और समाज से जोड़कर उसकी उपयोगिता को समझते हैं। विद्यार्थी भारतीय ज्ञान-विज्ञान समेत परम्पराओं तथा संस्कारों में शिक्षित होकर एक सफल व आदर्श एवं उत्तरदायी विश्व नागरिक की भूमिका निभाते हैं। महर्षि महेश योगी जन्मदिन के उपलक्ष्य पर नर्तन-मुद्रा विद्यार्थियों द्वारा भजन, कविताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर गुरुजन कमरा: हरीश सिंह बिष्ट, कल्पना कलबाल, दीपा बिष्ट तथा दीर्घिका गैलाकोटी, खरी सिजवाली समेत अधिष्ठाताकण व विद्यार्थी व संस्था के कर्मचारी आदि मौजूद रहे। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल पाण्डे द्वारा सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

महर्षि विद्या मंदिर पन्ना द्वारा ज्ञान युग दिवस पर किया गया महर्षि शांति मार्च का आयोजन

संस्कार इतिहास, पन्ना।

प्रति वर्ष की परंपरा आज दिनांक 12 जनवरी 2024 को महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी जमानपुर रोड पन्ना में महर्षि योगे योगी जी के जन्मदिन को ज्ञान युग दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुभ शुरुआत पाठशाला मुख्यालय से हुई। कार्यक्रम शुभारंभक किए गए एवं सभी छात्र/छात्राएं एवं समस्त स्टाफ ने महर्षि शांति मार्च के लिए प्रार्थना किया। यह शांति मार्च सीनियर जूनियर स्तरों से छात्रों लेकर अग्रगण्य चौक से होते हुए एड. अम्बेडकर जी, महात्मा गांधी जी एवं जवाहरलाल नेहरू जी, पुनः एक बौद्ध अजयपुर चौक तक पहुंचा, जहाँ पर अतीव्रत जन समूह एवं छात्र-छात्राओं ने ध्यान का मार्ग बना मार्च का समापन किया। इस मार्च के दौरान सहज के निर्देश महर्षि, महाशक्ति, महादेवी एवं महाकाली पर विद्यालय



प्रार्थना की बैठकें दीवित द्वारा मार्गदर्शन कर समन किया। अंत में पुनः सभी छात्र/छात्राएं एवं समस्त स्टाफ ने विद्यालय शुभारंभक भावांजली ध्यान का अभ्यास किया, तथा प्रार्थना द्वारा महर्षि विद्या मंदिर स्कूल के अग्रगण्य-विश्वीय मार्गदर्शक महाशक्ति जी, श्री विष्णु महादेव जी का स्तवन प्रह्वार मुखज निमित्त उन्होंने भावांजली ध्यान के लिए अभ्यास के माध्यम से महादेवी महाशक्त्य एवं विष्णु महाकाल का मार्ग मुखज एवं समस्त जन भावांजली की भावांजली की। इस अवसर पर

महर्षि योगे योगी जी एवं महादेवी विष्णुमहेश जी के जीवन मुक्तों की चर्चा की गई। तत्पश्चात् विद्यालय के कक्षा टाउन में 12वीं के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षा-विश्वीयों के नेतृत्व में पूरे पन्ना सहज में जो महर्षि शांति मार्च निरवाण गये, जहाँ महर्षि योगे योगी जी के विष्णु स्तरों के स्तवन एवं पुनः पूरे प्रदर्शनक महादेवी विष्णुमहेश जी के स्तवन की जल-जल तक पहुंचने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रार्थना बैठकें दीवित ने मार्च के दौरान मुखज अग्रगण्य एवं मुखज प्रदान करने हेतु शिक्षा कलेक्टर महोदय तथा पन्ना पुलिस कक्ष एवं उनके स्तरों का आभार व्यक्त किया, तथा महाशक्ति छात्र-छात्राओं के मार्गदर्श एवं अनुशासन की भूमि-भूमि प्रशंसा की। यह के प्रसन्न विद्यालय एवं जन मुखज के स्तवन के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की। इस अवसर में महर्षि विद्या मंदिर पन्ना द्वारा अर्पित महर्षि शांति मार्च का भाग महाशक्ति के साथ समापन हुआ।

महर्षि विद्या मंदिर के बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

मां गुरु देवी सांस्कृतिक समिति गौलापुर के उत्तराधिका एव वं वरदा धूम



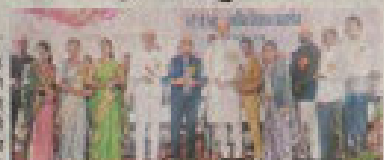
मां सांस्कृतिक समिति गौलापुर के उत्तराधिका एव वं वरदा धूम

महर्षि विद्या मंदिर के बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अक्षद कापसे ने जीता द्वितीय पुरस्कार

अक्षद कापसे

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अक्षद कापसे ने जीता द्वितीय पुरस्कार



जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अक्षद कापसे ने जीता द्वितीय पुरस्कार

Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 176th edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesha or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushtan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail cpr@mssmail.org as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2024 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan

All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of **Maharishi Ved Vigyan Prakashan**.
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, **Phone:** +91 755 4087351